श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 151, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार, 6 जनवरी, 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे को लेकर उत्तर प्रदेश में भी अलर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने को कहा है।

बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार भी अलर्ट हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। उन्होंने स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग को पूरी तरह सतर्क रहने को कहा है।

लखनऊ [राज्य ब्यूरो]। देश में जिस तरह से अलग-अलग राज्यों में पक्षियों की मौत के मामले सामने आ रहे हैं, उससे बर्ड फ्लू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार भी अलर्ट हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। उन्होंने स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग को पूरी तरह सतर्क रहने को कहा है।

उत्तर प्रदेश से सटे दूसरे राज्यों में पक्षियों में फैले बर्ड फ्लू के चलते यहां भी सतर्कता बढ़ाई जा रही है। हालांकि, अभी तक प्रदेश में कहीं से भी पक्षियों के मरने का कोई मामला सामने नहीं आया है। इसके बावजूद सरकार अलर्ट हो गई है। यह बीमारी सिर्फ पक्षियों के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी घातक है। इस बीमारी से संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आने वाले जानवर और इंसान आसानी से इससे संक्रमित हो जाते हैं।

वन विभाग ने सावधानियां बरतने के दिए निर्देश : वन विभाग ने भी बर्ड फ्लू के खतरे को भांपते हुए सावधानियां बरतने को कहा है। सभी ऐसी वॉटर बॉडी को चिन्हित करने को कहा गया है, जहां विदेशी पक्षी आते हैं। फील्ड स्टाफ को भी इसे लेकर सचेत किया गया है कि विदेशी या स्थानीय पक्षी की मृत्यु होने पर वे इसकी जानकारी पशुपालन विभाग व शासन को अवश्य दें। पक्षी विहार में आ रहे अप्रवासी पक्षियों को ट्रैप कर आवश्यकतानुसार उसका सीरम भोपाल भेजने को भी कहा गया है।

कई राज्यों में बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ा : बता दें कि कई राज्यों में बर्ड फ्लू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। हरियाणा में एक माह के अंदर ही करीब चार लाख मुर्गियों की मौत हो चुकी है। वहीं, गुजरात के जूनागढ़ में मंगलवार को भी 53 और हिमाचल में 336 और प्रवासी परिंदे मृत मिले हैं। विशेषज्ञ इनकी मौत बर्ड फ्लू के चलते होने की आशंका जता रहे हैं। राजस्थान में करीब आठ दिन से पक्षियों की मौत का सिलसिला जारी है। बर्ड फ्लू के कारण प्रदेश में 550 पक्षियों की जान जा चुकी है। वहीं, केरल में करीब 1700 बतखों, मप्र के इंदौर, मंदसौर के बाद अब आगर में भी बर्ड फ्लू के कारण 400 कौओं की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पशुपालन विभाग ने बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए कंट्रोल रूम 24 घंटे के लिए सक्रिय कर दिया है। साथ सभी जिलों खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा बरतने को कहा गया है। अपर निदेशक अवधेश श्रीवास्तव ने बताया कि टोलफ्री नंबर 18001805141 नंबर पर रोग फैलने की आशंका देखते हुए सूचना दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुर्गी फार्म संचालकों को विशेष सतर्कता बरतने को भी कहा गया है।

हरियाणा में 10 दिनों में चार लाख से अधिक मुर्गियों की मौत, कई राज्यों में अलर्ट

देश में हरियाणा राजस्थान मध्य प्रदेश और केरल समेत कई राज्यों में बर्ड फ्लू ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। केरल में मुर्गियों और बत्तखों को मारना शुरू कर दिया गया है। हरियाणा में पिछले 10 दिनों में चार लाख से अधिक मुर्गियों की मौत हो गई है।

नई दिल्ली, पीटीआइ। देश में कोरोना महामारी के बीच राजस्थान, मध्य प्रदेश और केरल समेत कई राज्यों में बर्ड फ्लू ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इस बीच कई राज्यों ने मंगलवार को बर्ड फ्लू के H5N8 स्ट्रेन को नियंत्रित करने को लेकर चेतावनी जारी की और मरे हुए पक्षियों के नमूने जांच के लिए भेजे। वहीं केरल में मुर्गियों और बत्तखों को मारना शुरू कर दिया गया है। पड़ोसी राज्य की स्थिति को देखते हुए कर्नाटक और तमिलनाडु ने निगरानी बढ़ा दी है और इसे लेकर जरूरी दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं।

केरल में फ्लू के कारण लगभग 1,700 बत्तखों की मौत हो गई। हरियाणा के पंचकुला जिले में पिछले 10 दिनों में चार लाख से अधिक मुर्गियों की मौत हो गई है। राज्य के पशुपालन और डेयरी विभाग ने कहा है कि इन पक्षियों की मौत का कारण एवियन इन्फ्लुएंजा है या नहीं? इसकी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। एक आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार इनके नमूने जालंधर में रिजनल डिजीज डायग्नोस्टिकलेब्रोटेरी को भेजे गए हैं। रिपोर्ट का अभी इंतजार है।

मध्य प्रदेश में के इंदौर में एक हफ्ते पहले बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद से 155 कौवों की मौत की मौत हो गई है। वहीं राजस्थान में झालवार के बाद कोटा और बारां में पक्षियों को संक्रमित पाया गया है। हालांकि, अभी तक महाराष्ट्र में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, जो मध्य प्रदेश के साथ सीमा साझा करता है।

हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों ने कांगड़ा जिले के पोंग डैम झील अभयारण्य के आसपास के क्षेत्र का सर्वेक्षण किया, ताकि वहां पर घरेलू पक्षियों में फ्लू के प्रसार की जांच की जा सके। इससे एक दिन पहले मृत प्रवासी पक्षी बर्ड फ्लू से संक्रमित पाए गए थे। राज्य के पशुपालन अधिकारियों ने कहा कि अब तक 2,700 प्रवासी पक्षी इस झील क्षेत्र में मृत पाए गए हैं और इनके नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए हैं।

केरल में अलाप्पुझा और कोट्टायम में प्रभावित क्षेत्रों के एक-एक किलोमीटर के दायरे में पक्षियों को मारने का ऑपरेशन शुरू किया गया था। एक दिन पहले इन दो जिलों में भोपाल में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिसीज में नमूनों के परिणामों की पुष्टि हुई। अधिकारियों के अनुसार प्रशासन द्वारा गठित रैपिड रिस्पांस टीमों ने दिशा-निर्देशों के अनुसार बतख, मुर्गियों और अन्य घरेलू पक्षियों को मारना शुरू कर दिया है।

अब घटिया निर्माण के जिम्मेदारों से ही होगी नुकसान की भरपाई : सीएम

दंगाइयों से क्षतिपूर्ति जैसे सख्त कदम उठाने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ ने पहली बार ऐसी कार्रवाई का निर्देश दिया है कि घटिया निर्माण के जिम्मेदार ठेकेदार और इंजीनियरों से ही नुकसान की भरपाई के साथ ही अब पीड़ित परिवारों को दी जा रही मुआवजा राशि भी वसूली जाएगी।

लखनऊ [राज्य ब्यूरो]। गाजियाबाद से लखनऊ तक खलबली मचा देने वाली मुरादनगर की घटना ने सरकारी तंत्र में गहरे बैठे भ्रष्टाचार का उदाहरण पेश किया है तो अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सख्त कार्रवाई की नजीर पेश करने के एक्शन में नजर आ रहे हैं। दंगाइयों से क्षतिपूर्ति जैसे सख्त कदम उठाने वाले सीएम योगी ने पहली बार ऐसी कार्रवाई का निर्देश दिया है कि घटिया निर्माण के जिम्मेदार ठेकेदार और इंजीनियरों से ही नुकसान की भरपाई के साथ ही अब पीड़ित परिवारों को दी जा रही मुआवजा राशि भी वसूली जाएगी। आरोपितों पर रासुका भी लगाया जाएगा। मुरादनगर की घटना के बाद अधिकारियों को आड़े हाथों ले चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भी इस दर्दनाक घटना को लेकर लोकभवन में बैठक की। उन्होंने श्मशान घाट की छत के घटिया निर्माण के जिम्मेदार ठेकेदार और इंजीनियर से ही सरकारी नुकसान की भरपाई का निर्देश दिया। वहीं, मृतक आश्रित परिवारों की मुआवजा राशि दो लाख से बढ़ाकर दस लाख रुपये कर दी। इस पैसे की वसूली भी इन्हीं आरोपितों से की जाएगी। सरकार के मुताबिक, इस तरह की यह पहली कार्रवाई होगी।

आरोपितों पर रासुका लगाने का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ठेकेदार और इंजीनियर पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मुकदमा चलाने के लिए भी कहा है। आवासहीन आश्रितों को सरकारी आवास देने का निर्णय भी हुआ है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता मानक से कम मिली तो डीएम और कमिश्नर इसके लिए जिम्मेदार होंगे। ठेकेदार और इंजीनियरों के साथ उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। हर जिले में टास्क फोर्स करेगी निर्माण कार्यों की जांच : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर जिले में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच के लिए टास्क फोर्स गठित की गई है। टास्क फोर्स औचक जांच करेगी।

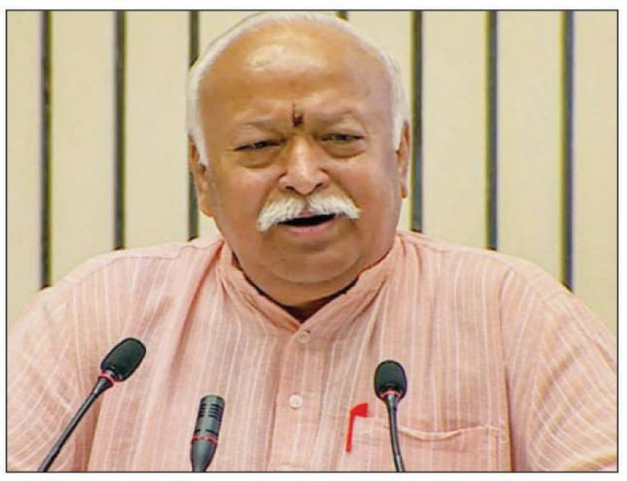

संघ प्रमुख मोहन भागवत और संघ मुख्यालय को उड़ाने की धमकी देने वाले किसान नेता पर केस दर्ज

बैतूल, राज्य ब्यूरो। दिल्ली के किसान आंदोलन में शामिल होने जा रहे महाराष्ट्र राज्य किसान महासभा नागपुर के महासचिव अरुण वनकर पर नागपुर के आरएसएस मुख्यालय और संघ प्रमुख मोहन भागवत को उड़ा देने का विवादित बयान देने पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

टीआइ संतोष पंद्रे ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला ने इसकी शिकायत की थी, जिस पर सोमवार देर रात वनकर पर धारा 505, 506 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। विवादित बयान का जो वीडियो वायरल हो रहा है उसके आधार पर जांच प्रारंभ कर दी गई है। अरुण वनकर ने किसानों के साथ दिल्ली जाते वक्त मुलताई में किसान संघर्ष समिति के सदस्यों से मुलाकात कर बस स्टैंड पर किसान बिल की खामियों को लेकर संबोधित किया था। उन्होंने कहा था आंदोलनकारी किसानों पर गोली चलाई गई तो वे संघ मुख्यालय और उसके प्रमुख को उड़ा देंगे। इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा नेताओं ने कड़ी निंदा करते हुए पुलिस कार्रवाई की मांग की थी। देर शाम कोतवाली थाना में शिकायत की, जिस पर केस दर्ज कर लिया गया।

कृषि सुधारों से पीछे नहीं हटेगी सरकार, बजट दिखाएगा रास्ता

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कई हफ्तों से डेरा डाले किसानों के साथ चल रही मान-मनौव्वल के बीच वित्त मंत्रालय के अधिकारी आगामी आम बजट में कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। संकेत इस बात का है कि कृषि सुधार कानूनों को लेकर कुछ विरोधी सुर उभरने के बावजूद सरकार पीछे नहीं हटने वाली है। किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को लेकर कई प्रावधान तो इस बजट में होंगे ही, पंजाब और हरियाणा के किसानों के लिए कुछ खास घोषणा भी की जा सकती है।

बजट में इस बात का पूरा ख्याल रखा जाएगा कि कोरोना काल के भयंकर संकट के बावजूद कृषि क्षेत्र की विकास दर बहुत प्रोत्साहित करने वाली रही है। भारतीय कृषि को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में कुछ बेहद महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है। संकट से घिरे कृषि क्षेत्र को सुधारों के जरिये नई ऊंचाई पर पहुंचाने की कोशिश लगातार हो रही है। केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए व्यापक योजना लागू की है, जिसका लक्ष्य 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करना है।

पिछले दोनों आम बजट में इस दिशा में कई कारगर प्रयास किए गए हैं। कोरोना काल के दौरान भी सरकार ने कृषिष क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। हरित क्रांति वाले राज्यों-पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से यहां की मिट्टी ऊसर होने के कगार पर पहुंच गई है। भूजल की हालत खराब है। अत्यधिक रसायनों के प्रयोग से वहां के आम लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। इन राज्यों की खेती में फसल विविधीकरण (डाइवर्सिफिकेशन) पर जोर देना होगा। हरियाणा ने इस दिशा में पहल करते हुए धान के बजाय किसी वैकल्पिक फसल की खेती करने पर प्रति हेक्टेयर 17,500 रुपये की सहायता देनी शुरू की है। खाद्य सुरक्षा के लिहाज से देश के पूर्वी राज्यों में शुरू की गई दूसरी हरित क्रांति को रफ्तार देनी होगी। कृषि क्षेत्र में पोस्ट हार्वेस्ट यानी फसल कटाई के बाद की प्रक्रियाओं में होने वाली क्षति को रोकने और फसलों की उत्पादकता को बढ़ाने को प्राथमिकता देनी होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के सहारे उन फसलों को प्रोत्साहन देने की जरूरत है जिनकी बाजार में अच्छी मांग है और अधिक आमदनी की संभावना है।

वित्त वर्ष 2021-22 के आम बजट की तैयारियां अपने अंतिम दौर में हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पिछले बजट के प्रावधानों को ही आगे बढ़ा सकती हैं। कृषिष मंडियों में सुधार के साथ वैश्विक बाजार में भारतीय कृषि उत्पादों की पैठ बनाने के उपायों पर आम बजट में अहम प्रावधान करने होंगे। कृषि क्षेत्र में लागत घटाने के साथ उपज के अच्छे मूल्य दिलाने की व्यवस्था करनी होगी।

खेती की लागत घटाने के लिए जहां सौर ऊर्जा आधारित पंप लगाने की योजना को आगे बढ़ाना होगा तो सिचाई के आधुनिक संसाधनों के उपयोग पर बल देना होगा। रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद के उपयोग को प्रोत्साहित करना होगा।

किसान आंदोलन को भटकाना चाहती है भाजपा सरकार : सपा अध्यक्ष

लखनऊ [राज्य ब्यूरो]। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की किसान संगठनों के साथ बेनतीजा वार्ता के बाद फिर अगली तारीख तय हो गई है। हर बार आधा दिन गुजार कर दोपहर दो बजे बैठक करने से ही लगता है कि भाजपा सरकार आधे मन से आधे समय काम करके इस आंदोलन को भटकाना चाहती है, लेकिन सत्ता का दंभ तोड़ने वाले किसानों का हौसला टूटने वाला नहीं है। सपा अध्यक्ष

अखिलेश यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा बेतुके तर्कों और झूठे तथ्यों से किसानों के आंदोलन को बदनाम कर रही है। वह हर हाल में काले कृषि कानून देश में थोपना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बयानबाजी में देश को न उलझाए और किसान आंदोलन में लगातार बढ़ती किसानों की मृत्यु व आत्महत्या पर शर्म करे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जो भाजपा सरकार एमएसपी होने पर भी अन्नदाता को बाजार में सही दाम नहीं दे पा रही है, वह काले कानून के आने के बाद क्या एमएसपी देगी। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में अपनी मेहनत का हक नहीं मिलने से अन्नदाता बेहाल है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अपने को जनप्रतिनिधि नहीं धन प्रतिनिधि समझती है, इसीलिए बड़े पूंजीघरानों के लिए किसानों को दांव पर लगा रही है। भाजपा भूल रही है कि उसके सामने संकट से संघर्ष करने वाले देश के वे दो तिहाई लोग हैं, जो कभी हार नहीं मानते। आंधी तूफान, ओलावृष्टि, बेमौसम बरसात में भी किसान खेतों पर फसल उगाने में पीछे नहीं रहते हैं।

देश में बढ़ रहे कोरोना के नए स्ट्रेन के मामले, चेन्नई में 3 नए केस आए

चेन्नई/नई दिल्ली, एएनआइ। देश में कोरोना के नए स्ट्रेन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चेन्नई में कोरोना के नए वैरियंट के तीन नए मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव डॉक्टर राधाकृष्णन ने मंगलवार को चेन्नई में कहा कि चेन्नई में कोरोना के नए स्ट्रेन के 3 और मामले सामने आए हैं। इसको मिलाकर तमिलनाडु में अब तक कोरोना के नये स्ट्रेन के 4 मामले सामने आ चुके हैं। चेन्नई में तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव डॉ. राधाकृष्णन ने बयया कि चेन्नई के दो होटलों में COVID-19 मामलों में थोड़ी वृद्धि हुई थी, लेकिन वहां भी मामलों में भारी कमी आई है। कई होटलों में सैंपलों का परीक्षण किया जा रहा है।

ब्रिटेन में पाए गए कोरोना वायरस के अधिक संक्रामक स्वरूप से पीड़ित 20 और मामले मंगलवार को देश में पाए गए। इसके साथ देश में इस स्ट्रेन से संक्रमित मिले मरीजों की संख्या बढ़कर 58 हो गई। ये सारे नए संक्रमित पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान ([एनआईवी)] में भेजे गए सैंपल की जांच में पाए गए है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन से संक्रमित पाए गए सभी लोगों को उनके राज्यों में सिंगल रूम आइसोलेशन में रखा गया है। इनके निकट संपर्क में आए लोगों को भी क्वारंटाइन किया गया है। इनके साथ यात्रा करने वाले लोगों, परिवार के सदस्यों और संपर्क में आने वाले अन्य लोगों की पहचान के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक ब्रिटेन से लौटे संक्रमित पाए गए अन्य लोगों के नमूनों के जीनोम सिक्वेंसिंग का काम भी चल रहा है। स्थिति पर लगातार सघन निगरानी बनी हुई है। नए कोरोना स्ट्रेन को लेकर राज्यों को लगातार सलाह दी जा रही है।

नए कोरोना स्ट्रेन की जांच के लिए देश के विभिन्न राज्यों में 10 विशेषष प्रयोगशालाओं का समूह गठित किया गया है। अभी तक जो 58 मामले मिले हैं, उनमें से दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र ([एनसीडीसी)] में आठ और इंस्टीट्यूट ऑफ जेनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बॉयोलॉजी ([आइजीआइबी)] में 11 मामले शामिल हैं।

इसके अलावा कोलकाता के कल्याणी में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बॉयोमेडिकल जेनोमिक्स ([एनआइबीएमजी)] में एक, पुणे स्थित एनआइवी में 25, हैदराबाद के सेंटर फॉर सेल्यूलर एंड मोलेक्यूलर बॉयोलॉजी ([सीसीएमबी)] में तीन, बेंगलुरु स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑ राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान अस्पताल ([निमहांस)] में 10 केस पाए जा चुके हैं।

ब्रिटेन की उड़ानों की संख्या आधी की गई आगमन पर फिर से कराना होगा टेस्ट

नई दिल्ली, एएनआइ। नई दिल्ली, एएनआइ। दिसंबर के आखिरी महीने में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन सामने आने के बाद से संक्रमण की रोकथाम के लिए भारत-ब्रिटेन के बीच विमान सेवाएं प्रतिबंधित की गई थीं। अब भारत से यूके के लिए उड़ानें 6 जनवरी से फिर से शुरू होंगी। पहले यह उड़ानें 8 जनवरी से शुरू होंगी। इस बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हमने उपलब्ध तथ्यों के आकलन के आधार पर भारत और ब्रिटेन के बीच नागरिक उड्डयन यातायात को सीमित करने पर फैसला लिया। हमने तय किया कि आरटीपीसीआर टेस्ट (फ्छढउफ)जो यात्रा से 72 घंटे पहले किया गया था, वह पर्याप्त नहीं था। इसलिए हमने आगमन पर फिर से टेस्ट करना अनिवार्य कर दिया। यदि कोई कदम उठाना है तो हम स्थिति की समीक्षा करेंगे। ब्रिटेन में कुल उड़ानों की संख्या एक सप्ताह में 60 से घटाकर 30 कर दी गई है। ज्ञात हो कि ब्रिटेन में कोरोना के नए स्ट्रेन के मामले बढ़ने के कारण फरवरी मध्य तक सख्त लॉकडाउन लगाया गया है। इसकी घोषणा पीएम बोरिस जानसन ने की। इस कारण भारत में चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ब्रिटेन से आए 50 से अधिक लोग कोरोना के नए स्ट्रेन के कारण संक्रमित हो चुके हैं। उनको आइसोलेशन में रखा गया है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हमने उपलब्ध तथ्यों के आकलन के आधार पर भारत और ब्रिटेन के बीच नागरिक उड्डयन यातायात को सीमित करने पर फैसला लिया। हमने तय किया कि आरटीपीसीआर टेस्ट जो यात्रा से 72 घंटे पहले किया गया था।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज बुधवार, 6 जनवरी, 2021

संक्षेप समाचार

सोरांव में स्वास्थ्य चिकित्सकों द्वारा चलाया गया टीकाकरण अभियान

सोरांव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोरांव के अंतर्गत तिल्हापुर उर्फ नाहरपुर गांव में अधीक्षक विजय कुमार पाठक तथा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी विजय कुमार मौर्य के नेतृत्व में टीकाकरण किया गया। उक्त गांव में विशेष टीकाकरण अभियान क्षेत्र की एएनएम अंजुला श्रीवास्तव की देखरेख में संपन्न हुआ। इस टीकाकरण का उद्देश्य पूर्व टीकाकरण से वंचित बच्चों के लिए, गर्भवती महिलाओं, किशोर, किशोरियों तथा जीरो से पांच साल तक के बच्चे को टीका लगाया गया। इस मौके पर क्षेत्र की जिम्मेदार आशा किरन सरोज व आंगनवाड़ी किरण देवी ने घर- घर जाकर टीका लगवाने के लिए प्रेरित किए।उक्त टीकाकरण में एएनएम अंजुला श्रीवास्तव ने किशोर किशोरियों तथा गर्भवती महिलाओं को देखरेख के लिए विशेष तौर पर सुरक्षित रहने तथा साफ-सफाई करने की सलाह दी।

शादीशुदा महिला का प्रेमी गिरफ्तार

नैनी। पीडीए कालोनी स्थित एक आवासीय परिसर में मंगलवार की सुबह तड़के शादीशुदा महिला से मिलने पहुंचे उसके प्रेमी को परिजनों और पड़ोसियों ने पकड़ लिया। पुलिस ने महिला के पति की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। आरोपी युवक राजदीप का मंगलवार दोपहर में उचित धाराओं में चालान कर दिया गया। महिला के पति ने बताया कि आरोपी राजदीप मंगलवार सुबह तड़के उसकी पत्नी से मिलने चोरी से उसके घर में घुस गया था। इतने में फैमिली मेंबर्स ने देख लिया और शोर मचाया। शोर सुनकर पड़ोसी भी पहुंच गये। सबने राजदीप को पकड़ लिया। मनोज ने फोन कर पुलिस बुलाया। फिर पुलिस के हवाले आरोपी को कर दिया। नैनी थाने पहुंच कर मनोज ने आरोपी के अगेंस्ट रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद आरोपी का दोपहर में चालान कर दिया गया।

मण्डलायुक्त ने सम्पूर्ण समाधान दिवस की कार्रवाईयों का लिया जायजा

जन शिकायतों को भी सुना, शिकायत के निस्तारण की गुणवत्ता ठीक न पाये जाने पर लेखपाल को प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने के दिए निर्देश

जनशिकायतों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के दिए निर्देश

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर सोरांव तहसील में जनशिकायतों को सुनते मण्डलायुक्त

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार मंगलवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सोरांव पहुंचकर सम्पूर्ण समाधान दिवस की कार्रवाईयों का जायजा लिया एवं शिकायतों को सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्रों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये हैं। सम्पूर्ण समाधान दिवस में मण्डलायुक्त ने पिछले सम्पूर्ण समाधान दिवस के शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता के लिए 10 शिकायती प्रार्थना पत्रों को रैण्डम रूप से निकलवाकर तथा शिकायत शर्ता से फोन पर बातचीत कर निस्तारण की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। कुछ शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की गुणवत्ता ठीक न पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये है। मण्डलायुक्त ने शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर लेखपाल दिलीप कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। उन्होंने उपजिलाधिकारी को सम्पूर्ण समाधान दिवसों की शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता को रैण्डम रूप से जांच करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि राजस्व से सम्बंधित शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की गुणवत्ता के लिए कानूनगों शिकायतकर्ता से बात कर निस्तारण की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त करें और शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराना सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण प्रत्येक दशा में गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण से शिकायतकर्ता को एक ही शिकायत के निस्तारण के लिए बार-बार नहीं दौड़ना पड़ेगा। मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को समय से सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उपस्थिति पंजिका का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क लगाने एवं अधिक भीड़ न इकट्ठा होने देने का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कहा। मण्डलायुक्त ने तहसील के विभिन्न पटलों का निरीक्षण भी किया एवं उन्होंने पटल सहायकों को पत्रावलियों को व्यवस्थित ढंग से रखने एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ उन्होंने उपजिलाधिकारी को भी तहसील परिसर में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जनशिकायतों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करें : एसडीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जनसमस्याओं को सुनते एसडीएम

करछना। मंगलवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील करछना सपूर्ण समाधान दिवस की कार्रवाईयों का उपजिलधिकारी विनोद कुमार पाण्डेय जायजा लिया एवं शिकायतों को सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्रों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये हैं। सम्पूर्ण समाधान दिवस में पिछले सम्पूर्ण समाधान दिवस के शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता के लिए 10 शिकायती प्रार्थना पत्रों को रैण्डम रूप से निकलवाकर तथा शिकायत शर्ता से फोन पर बातचीत कर निस्तारण की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। कुछ शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की गुणवत्ता ठीक न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये है। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर कडी कार्रवाई करने की चेतावनी दी इस मौके पर कुल 116फरियादियो ने शिकायत दर्ज कराई जिसमे 90 शिकायतें राजस्व, 10, शिकायतें पुलिस विभाग, व 16 अन्य शिकायत फरियादियों ने दर्ज कराई। इस मौके पर समबन्धित विभाग के अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारण किए जाने का उपजिलाधिकारी ने निर्देश दिये।

किशोरी को अपहरण कर गैंगरेप के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

घूरपुर। क्षेत्र के एक गांव की किशोरी को बहला फुसलाकर अपहरण करने और गैंगरेप करने दो आरोपियों को मंगलवार के दिन पुलिस ने पकड़ कर गैंगरेप सहित पोक्सो की धारा में केस दर्ज कर जेल भेज दिया। बता दे की विगत एक सप्ताह पूर्व क्षेत्र की एक किशोरी को एक ट्रक चालक बहला फुसलाकर भगा ले गया था। ट्रक चालक अपने एक साथी के साथ दो दिन तक किशोरी के साथ दुष्कर्म करता रहा। और उसे छोड़ दिया ।पीड़िता घर पहुंची और मामले की जानकारी परिजनों को दी तो हड़कंप मच गया। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओ में केस दर्ज किया ।मंगलवार के दिन पुलिस ने दोनों आरोपी महिपाल हरिजन उर्फ पुन्नू निवासी फत्तेहपुर थाना करछना व राम कलश साकेत निवासी छिंजवार पुलिस चौकी नौवस्ता थाना चोरहटा जनपद रीवा को पकड़ लिया और संबंधित आरोप में जेल भेज दिया ।

ग्राम प्रधान ने गरीबों को वितरण किया कंबल

गरीबों को कंबल वितरित करती ग्राम प्रधान

हंड़िया। हंड़िया विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा हरिपुर, सिधवार, रायपुर में गरीबों का मसीहा बनकर दिखाई दे रहे हैं। ग्राम प्रधान परमा देवी पाल पत्नी सूबेदार पाल ने गरीब विकलांग वृद्धा लोगों को दो सौ से अधिक लोगों को कंबल वितरण किया गया। वही प्रधान प्रतिनिधि सूबेदार पाल ने बताया कि हमारे ग्राम सभा में हरिपुर, सिधवार, रायपुर मे तमाम गरीब वृद्धा विकलांग असहाय लोगों कंबल वितरण बहुत जरूरी था। कंबल वितरण करके पुण्य का काम कर रहा हूं। वहीं पर लोगों ने प्रधान का कार्यशैली पर खुश हुए। वही गांव के लोगों ने प्रधान द्वारा सराहनीय कार्य को देखकर फिर से चुनाव लड़ने में जोश व उत्साह बढ़ाया। प्रधान का कार्य को देखकर सभी लोग खुश हुए। कंबल वितरण पर उपस्थित हर्ष नारायण पाल, मोहन लाल पाल, श्यामधर, राम उजागीर, दीपचंद यादव, (एडवोकेट) नीरज पाल, राम कैलाश पाल, चंद्र प्रकाश मिश्रा तमाम लोग उपस्थित रहे।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, नहीं हो पाई पहचान

शंकरगढ़। प्रयागराज-मुंबई रेलखंड पर लोहगरा स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार की भोर में हुआ। उजाला होने पर इस हादसे की जानकारी स्थानीय लोगों के जरिए जीआरपी तक पहुंची। इसके बाद जीआरपी, पुलिस चौकी शंकरगढ़ ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जीआरपी ने बताया कि यह हादसा शंकरगढ़ जीआरपी चौकी क्षेत्र के अंतर्गत लोहगरा स्टेशन के यार्ड के पास हुआ है । मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार भोर में अप लाइन पर ट्रेन संख्या 1055 गुजर रही थी। इसी दौरान लोहगरा स्टेशन के पास एक व्यक्ति, जिसकी उम्र लगभग 35 साल रही होगी, चलती ट्रेन से नीचे गिर पड़ा। इस हादसे के बाद ट्रेन बढ़ते हुए स्टेशन तक पहुंच गई। दूसरी तरफ इस हादसे की जानकारी स्थानीय लोगों के जरिए जीआरपी पुलिस शंकरगढ़ तक पहुंची। मौके पर आई जीआरपी ने छानबीन की। बताया जाता है कि सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण युवक का काफी खून बह गया और उसकी मौत हो गई। युवक के शरीर पर नीली जींस की पैंट, मटमैला कलर की जैकेट मिला है। मौके पर आए जीआरपी व आरपीएफ के जवानों स्थानीय लोगों के जरिए शव की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। छानबीन के उपरांत आरपीएफ को पास ही एक टिकट मिला, जो इगतपुरी से भुसावल तक का था। शव की पहचान नहीं होने पर जीआरपी ने शव का पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए मानिकपुर के लिए भेज दिया है।

ससुराल गई पत्नी को पति समेत परिजनों ने की जमकर पिटाई, मुकदमा दर्ज

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के सौरा गांव में एक विवाहिता अपने बेटी से मिलने ससुराल पहुंची की पति समेत परिजनों ने जमकर पिटाई कर दी। विवाहिता की सूचना पर 112 नंबर पुलिस भी मौके पर पहुंची। हनुमानगंज निवासी सिफा बानो जिसका विवाह 8 वर्ष पूर्व सवरा जलालपुर गांव में नुरूलहोदा के साथ हुआ था। जिससे एक बेटी भी हुई है। आरोप है कि पति के दुर्व्यवहार व मारने पीटने व अच्छा तालमेल न होने से विवाहिता ने न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन कर दी है। आरोप है कि दो वर्ष पूर्व पति ने पत्नी के चोरी से दूसरी शादी भी रचा ली। जिससे एक बेटा भी है। वही विवाहिता अपनी 8 साल की बच्ची से मिलने के लिए अपने ससुराल सवरा पहुंची कि आरोप है पति समेत सास ससुर ननद देवर बगल के अन्य लोगों ने विवाहिता की जमकर पिटाई कर दी।

नहर के टेल को अराजक तत्वों ने किया बाधित

करछना। तहसील करछना के अंतर्गत छरि बना के बगल में बसा गांव गोंती तालुका पुरवा खास में आए दिन अराजक तत्वों का नंगा नाच होता रहता है और वह किसी ना किसी बहाने ग्रामीणों में भय का माहौल उत्पन्न करते रहते हैं इन दिनों नहर के टेल को बांधकर गांव में जलमग्न तालाब जैसा नजारा उत्पन्न करके नई समस्या खड़ी कर दी है।

पुरवा माइनर के टेल को जबरन गुंडागर्दी के बल पर बांधकर जल निकासी अवरुद्ध करके आसपास के खेतों खलिहानों और ग्रामीणों के दरवाजे पर बरसात का माहौल बना दिया इससे ग्रामीणों को न केवल आवागमन में दिक्कत हो रही है अपितु उनकी रवी की फसल भी बर्बाद होने के कगार पर है ग्रामीणों ने बताया कि तथाकथित सर हंग किस्म के गोंती निवासी कतिपय

गांव में भरा नहर का पानी

अराजक तत्वों ने पुरवा माइनर नहर के टेल पर अवैध कब्जा कर के बाधित कर दिया है जिससे कई घर , खेत खलिहान जलमग्न हो गए है। जिससे कई किसानो की नुकसान पहुंच रहा है, गांव की मुख्य सड़क भी जलमग्न है जिससे आम जन को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव लोगो द्वारा शिकायत करने पर लोगो को गाली और मारने की धमकी देते है। सिचाई विभाग के सक्षम अधिकारियों को भी शिकायत किया गया है लेकिन कोई कार्यवाही नही होने से अराजक लोगो का हौसला बढ़ा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि उपरोक्त अराजक तत्वों का सरगना पूर्व केंद्रीय कर्मचारी प्रयागराज शहर में रहकर अनेक साजिश है करता रहता है और उसी के ताने-बाने पर गांव में पिछले वर्षों में कई बार इस तरह का नग्न तांडव किया जा चुका है तथाकथित अराजक तत्वों ने कई बार मारपीट करके पड़ोसियों को लहूलुहान भी कर दिया था जिसका प्रकरण थाने तक भी पहुंचा था अपने वर्चस्व को कायम करने के लिए अपराधी घटनाओं को अंजाम देने में माहिर उपरोक्त अराजक तत्वों द्वारा समय कुछ समय गांव में इस तरह की गलीच हरकत की जाती है और ग्रामीणों के विरोध करने पर अपने तथाकथित ऊंची पहुंच का खुला दुरुपयोग करके वह पुनः अपनी साजिश में लग जाता है।

अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जार्डन.एच.नाथ को पुत्र शोक

प्रयागराज। वॉलीबॉल खेल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं प्रयागराज जिला वॉलीबाल संघ के अध्यक्ष जार्डन.एच.नाथ को गहरा आघात लगने से पुत्र शोक में डूबे हुए हैं। विदित हो कि कल जॉर्डन.एच.नाथ के जेष्ठ पुत्र राजीव नाथ (48 वर्ष) की हृदयगति अचानक रुक जाने से असामयिक मृत्यु हो गई और सायं 4 बजे उनका अंतिम संस्कार शहर के राजापुर स्थित क्रिस्चियन कब्रिस्तान में हुआ, जहां सैकड़ों की संख्या में लोगों का समुदाय उपस्थित रहा। उक्त दुःखद घटना के पश्चात वालीबाल खिलाड़ियों तथा एसोसिएशन के पदाधिकारियों की एक शोक सभा संघ के चेयरमैन के.के.मिश्रा (पूर्व मुख्य कोषाधिकारी) के निजी आवास अशोक नगर,पत्रकार कॉलोनी में आहूत की गई। जिसमें अंगद राय, एस.के.सचान, आर.पी.शुक्ला, बी.एच.जैदी, फूलचंद गुप्ता, अल्ताफ अली, प्रभात राय, प्रमोद कुमार राय, राजेश वर्मा आदि रहे।

खेल से स्वास्थ्य के साथ आत्मबल को मिलती है मजबूती : प्रवीण

क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि

घूरपुर। खेल कोई भी हो वह शरीर को स्वास्थ्य के साथ आत्मबल को मजबूती प्रदान करता है। खेल में हार या जीत दो ही पहलू है। जीत के बाद खुश जरूर होना चाहिये लेकिन इतनी खुशी भी नही होनी चाहिये कि हारी टीम को ठेस पहुंचे। उक्त बातें प्रधान संघ अध्यक्ष प्रधान बीकर प्रवीन सिंह यादव ने मंगलवार के दिन देवरिया गांव के मोहिनी का पुरा गांव में यंगिस्तान क्रिकेट टूर्नामेंट का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए खिलाड़ियों के बीच बतौर मुख्य अतिथि कही । क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ प्रधान संघ अध्यक्ष ने एक ओवर का खेल करके किया । उद्घाटन मैच कंजासा और तारापुर टीम के बीच खेला गया। इस मौके पर देवरिया प्रधान वीपी पटेल, गीता यादव, समाज सेवी मुकेश द्विवेदी, जीतू, अमरबहादुर सिंह, जावेद अख्तर, बृजेश, पंकज, इंजीनियर अतुल यादव, संजय आदि लोग मौजूद रहे ।

दस दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

क्रिकेट प्रतियोगिता का उदघाटन करते मुख्य अतिथि

करछना तहसील क्षेत्र के चन्द भान सिंह का पूरा में मंगलवार को साकिब क्रिकेट स्पोर्ट्स क्लब का उद्घाटन मुख्य अतिथि अफजल खॉन ने किया इस प्रतियोगिता के में कुल 6 टीमों ने भाग लिया, उदघाटन मैच में तिवारी का पुरा और पुरवा खास की टीम से मुकाबला हुआ जिसमें पुरवा खास की टीम ने उद्घाटन मैच अपने नाम कर विजेता बनी। मुख्य अतिथि अफजल खान उर्फ हरम भाई ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते हुए उत्साह वर्धन किया इस मौके पर क्रिकेट टूनार्मेंट के आयोजक मोहम्मद सुल्तान ,ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल मैच 15 जनवरी को होगा इस मौके पर कमेटी के सदस्य मोहम्मद अख्तर, मोहम्मद साकिब, साहिल, मोहम्मद वैश, मोहम्मद शादाब, मोहम्मद हसन, मोहम्मद साहिल, मोहम्मद अरशद आदि क्रिकेट प्रेमी दर्शक मौजूद रहे।

मामूली विवाद में पुत्र ने मां-बाप को जमकर पीटा, घायल

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले में सोमवार शाम को एक कलयुगी पुत्र ने अपने मां-बाप को जमकर पिटाई कर दिया। जिससे वह घायल हो गए। तहरीर मिलने पर पुलिस ने आरोपी पुत्र के खिलाफ नैनी कोतवाली में तहरीर दी गई है। आनंद नगर निवासी लाल जी सोनी सेना से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। सोमवार शाम को उनका पुत्र राजकुमार सोनी बाइक लेकर घर पर पहुंचा और गेट खोलने को लेकर पिता से कहासुनी हो गई। बात आगे बढ़ी तो आरोपी पुत्र ने पिता की जमकर पिटाई करने लगा, जब बीच बचाव करने उसकी मां मुन्नी सोनी पहुंची तो उसकी भी जमकर पिटाई कर दिया। हालांकि पड़ोसियों की मदद् बुजुर्ग मां बाप को पुत्र के चंगुल से छुड़ा कर अलग किया गया, लेकिन तब तक दोनों घायल हो चुके थे। लहूलुहान हालत में ही दोनों नैनी कोतवाली पहुंचे मामले की तहरीर पुलिस को दी। समाचार लिखें जाने तक आरोपी को पकड़ने के लिए दबिश जारी था।

भाजपा छोड़ संतोष पाल बसपा में बने फाफामऊ कोषाध्यक्ष

नवाबगंज। भाजपा को छोड़ संतोष पाल ने बसपा का दामन थामा है। जिससे उनके समर्थकों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाईयां दी है। नवाबगंज के बरेज गांव निवासी संतोष पाल निवर्तमान भाजपा पार्टी के युवा मोर्चा से मंड़ल उपाध्यक्ष रह चुके है। संतोष पाल को बहुजन समाज पार्टी द्वारा फाफामऊ विधानसभा का कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। संतोष पाल को बसपा कोषाध्यक्ष बनाये जाने पर उनके समर्थकों ने खुशियां व्यक्त कर माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। नवनियुक्त कोषाध्यक्ष फाफामऊ संतोष पाल ने कहा कि पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को वह सदैव ही सत्यानिष्ठा एवं ईमानदारी से निभाते हुए जनाधार बढ़ाने का प्रयास करूंगा। उन्होंने बताया कि दबे, कुचले एवं बेवसों की पार्टी ही बहुजन समाज पार्टी है। जिस पार्टी में हमेशा कार्यकताओं की मेहनत से उन्हें जिम्मेदारी देने का कार्य करती है। इसलिए बसपा पार्टी का पूर्ण रूप से जनाधार बढ़ाने के लिए अग्रसर रहूंगा।

संतोष पाल

फाफामऊ विधानसभा अध्यक्ष जिया लाल गौतम ने कहा कि बहुजन ही एक मात्र ऐसी पार्टी है, जो सदैव ही कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ती है। जाति-धर्म से उठकर बसपा पार्टी में कार्यकताओं द्वारा संघर्ष करने वाले कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देने का कार्य करती है। साथ ही पार्टी आगामी त्रिस्तरीय पंचायत एवं आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपनी तैयरियों को लेकर कमर कस ली है। भाजपा छोड़कर बसपा में शामिल होने पर पार्टी के कार्यकर्ताओं संग समर्थकों द्वारा माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष जिया लाल गौतम, बीडीसी अनिल पाल, सुनील पाल, अमित पाल उर्फ बच्चा, रशीद, अजय पासी, नदीम अहमद समेत लोगों ने खुशियां व्यक्त की है।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

बाइक सवार बदमाश छात्र से मोबाइल छीन कर फरार

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के पीडीए कॉलोनी में सोमवार को एक बार फिर बाइक सवार बदमाशों ने एक छात्र को निशाना बनाते हुए उसके हाथ से मोबाइल छीन कर फरार हो गए। तहरीर मिलने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित पीडीए कॉलोनी निवासी सौरभ जायसवाल पुत्र कृष्ण चंद्र जायसवाल सोमवार को अपने मित्र से मिलने के लिए मोबाइल से बात करते हुए जा रहा था। जैसे ही वह आजाद पार्क के समीप पहुंचा अपाचे बाइक पर सवार बदमाश पहुंचे और झपट्टा मारते हुए उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए।बता दें कि नैनी कोतवाली क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर बीते कुछ दिनों के अंदर एक दर्जन से अधिक मोबाइल छिनैती की घटना घटित हो चुकी है, लेकिन पुलिस अब तक बदमाशों का सुराग तक नहीं लगा पाई है। नतीजा आए बदमाशों के गिरोह मोबाइल छिनैती की वारदात को अंजाम देने में जुटे हुए हैं।

हिस्ट्रीशीटर गणेश यादव के शापिंग कांप्लेक्स पर चला बुल्डोजर

झूंसी स्थित हिस्ट्रीशीटर गणेश यादव की तीन मंजिला मार्केट

तीन मंजिला मार्केट को ध्वस्त करने पहुंचा पीडीए का बुल्डोजर

पीडीए का फोन आने के बाद दुकानदारों में मची अफरा तफरी

प्रयागराज। झूंसी में हिस्ट्रीशीटर गणेश यादव के तीन मंजिला मार्केट को मंगलवार को पीडीए का बुलडोजर ने ध्वस्त कर दिया। पीडीए के अधिकारियों का कहना है कि यह मार्केट अवैध रूप से बनाया गया है। इसका पीडीए से नक्शा नहीं पास कराया गया था। इसके भू स्वामित्व की जांच कराई जा रही है। आपको बताते चलें कि शासन के निर्देश के बाद प्रयागराज जिले में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को झूंसी में हिस्ट्रीशीटर गणेश यादव के तीन मंजिला मार्केट पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण का बुलडोजर चला। हालांकि कार्रवाई होने से पहले गणेश के बेटे ने विरोध किया लेकिन इसका असर पीडीए की टीम पर नहीं पड़ा। आखिरकार पीडीए ने तीन मंजिला मार्केट को ध्वस्त कर दिया। इससे पहले पीडीए की टीम गणेश यादव के झूंसी इलाके में स्थित मकान को ध्वस्त कर चुकी है।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर पूरे सूबे भर में माफिया के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। जिला प्रशासन और पुलिस टीम लगातार ऐसे अपराधियों के अवैध ढंग से अर्जित संपत्ति और भवनों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पीडीए के जोनल अधिकारी सत शुक्ला ने बताया कि प्रयागराज में आज 42 वीं कार्रवाई की जा रही है। जीटी रोड पर स्थित निर्माण की कीमत करोड़ों रुपये में है। वहीं गणेश यादव के अधिवक्ता बेटे रवि यादव का कहना है कि यह शासन की मनमानी व तानाशाही ढंग से राजनैतिक ईर्ष्या वश कार्रवाई की जा रही है। यह प्रापर्टी बीस साल से एक हिस्सा मेरी मां व दूसरा हिस्सा पिता के नाम से है। झूंसी इलाके में इस कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चचाएं भी हो रही हैं।

सोमवार की रात से ही मची थी खलबली

सोमवार की रात में ही झूंसी स्थित गणेश मार्केट में दुकानदारों में खलबची मच गयी थी। बताया जा रहा है कि पीडीए से एक फोन आने के पश्चात दुकानदों में खलबली मच गई। दुकानदारों की मार्केट मालिक से बातचीत के बाद बिल्डिंग को खाली करने की जल्दबाजी से वहां अफरा तफरी का माहौल बन गया। राह गुजरते तमाशबीनों की भी भीड़ जुटी रही।

बताते चलें कि झूंसी निवासी सपा नेता गणेश यादव के खिलाफ कई थानों में दर्जन भर आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। नेस्तनाबूद अभियान के तहत गत दिनो बिना नक्शा पास कराये बनाये गये डेढ़ हजार वर्ग गज में हवेलिया में गणेश यादव के आलीशान मकान को पीडीए ने धराशाई कर दिया था। उसी क्रम सोमवार को शाम पीडीए से आया एक फोन गणेश मार्केट में भूचाल ला दिया। इस संदर्भ में जब गणेश यादव से ही बातचीत की गई तो गणेश यादव का कहना है कि दोपहर में पीडीए के किसी अधिकारी का फोन मार्केट में एक दुकानदार के पास आया था, उस दुकानदार ने मुझसे पूछा कि पीडीए से मकान खाली करने के लिए फोन आया है। फिर हमने उन दुकानदारों से कह दिया कि आप लोग सुरक्षित जगह पर चले जाएं मकान को खाली कर दें। अंततोगत्वा मंगलवार को गणेश यादव के मार्केट को पीडीए ने ध्वस्त कर दिया। वहीं मार्केट मालिक गणेश यादव का कहना है कि पीडीए से अभी तक कोई नोटिस नहीं मिली है।

प्रयागराज में शुरू हुआ कोरोना वैक्सीनेशन का ड्राई रन

डॉक्टर को टीका लगाते हुए

प्रयागराज। कोविड-19 के खिलाफ जारी जंग में मंगलवार को एक और अहम कड़ी जुड़ गई। जिले के अस्पतालों में वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया शुभारंभ स्वास्थ्य विभाग के ड्राई रन के रूप में हुआ। इसमे जिले के चयनित छह अस्पतालों में 25-25 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाने की प्रक्रिया का मॉक ड्रिल हुआ। अलग अलग अस्पतालों के नोडल सहित वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया। मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय कॉल्विन में करीब 11 बजे टीकाकरण शुरू हुआ। पहला टीका अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुषमा श्रीवास्तव ने लगवाया। इसके बाद एक एक कर चिन्हित 24 अन्य लोगों को टीके लगाने की प्रक्रिया हुई।

वैक्सीनेशन के तहत टीका लगाने के बाद आवश्यक सावधानी भी बरती गई। टीका लगाने की प्रक्रिया के बाद स्वास्थ्य कर्मियों को कुछ देर तक ऑब्जरवेशन रूम में बैठाया गया। वहां डॉक्टरों की टीम उनके लिए मौजूद रही। कॉल्विन अस्पताल में टीकाकरण का एसीएमओ डॉक्टर सत्येन राय ने निर्देशन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है इससे किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। जीवन ज्योति अस्पताल में कोविड वैक्सीनेशन के प्रयागराज के नोडल डॉक्टर राहुल सिंह के निर्देशन में टीकाकरण किया गया। 25 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए गए। राहुल सिंह ने बताया कि सभी चिन्हित छह अस्पतालों में ड्रॉइ रन हुआ। कोरोना की वैक्सीन अब कभी भी आ सकती है उसकी तैयारी को परखने के लिए आज ड्रॉइ रन हुआ है।

कोरोना वायरस की वैक्सीन अब कभी भी आ सकती है, इसलिए स्वास्थ्य महकमे में वैक्सीनेशन के प्रथम चरण की प्रक्रिया का रिहर्सल शुरू हो गया है। आज प्रयागराज शहर के छह अस्पतालों में सुबह 10 बजे से 25-25 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए जाने का ड्राई रन यानी मॉक ड्रिल हो रहा है। इसमें वैक्सीन को बेली अस्पताल से ट्रांसपोर्ट कर अस्पतालों तक ले जाने और टीकाकरण के बाद ऑब्जरवेशन तक की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। कोरोना वैक्सीन लगाने की मॉक ड्रिल प्रक्रिया के अंतर्गत मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय में बनाए गए सेंटर पर पुलिस कर्मी भी तैनात किए गए हैं। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुषमा श्रीवास्तव ने मंगलवार की सुबह व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अभी कोई लाभार्थी नहीं आए हैं। इसी क्रम में कॉल्विन अस्पताल में एसीएमओ डॉक्टर सत्येंद्र राय ने निरीक्षण किया।

इसी प्रकार प्रतापगढ़ जनपद में भी कोरोना वैक्सीन लगाने की मॉक ड्रिल प्रक्रिया मंगलवार की सुबह शुरू की गई है। यहां कोरोना वैक्सीन बैंक को हरी झंडी दिखाकर जिलाधिकारी नवनीत बंसल ने रवाना किया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

इन अस्पतालों में होगा कोविड-19 का टीकाकरण का ड्राइ रन

1- स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल 2- मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (काल्विन) 3- जीवन ज्योति अस्पताल 4- प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 5- कोटवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 6- जसरा कोटवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र।

इन पर व्यवस्था की जिम्मेदारी

एसआरएन अस्पताल में डॉक्टर महानंद यादव, काल्विन अस्पताल में डॉक्टर, जीवन ज्योति में डॉक्टर राहुल सिंह, प्रतापपुर सीएचसी में डॉक्टर अशोक कुमार, जसरा सीएचसी में डॉक्टर बीएन सिंह, कोटवा सीएचसी में डॉक्टर तीरथ लाल।

कोविड-19 के दृष्टिगत माघ मेले में रहेगी विशेष व्यवस्था

प्रयागराज। कोविड-19 के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने माघ मेले में कई विशेष व्यवस्थाएं की हैं। छह स्टैटिक बूथ परीक्षण केंद्र जहां पर एंटीजन एवं आरटीपीसीआर परीक्षण सुविधा उपलब्ध है, वह आज से शुरू हो गए हैं। लैब टेक्नीशियन एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों से युक्त 20 मोबाइल परीक्षण वैन भी कार्यरत हैं। 20 बेड के 2 अस्पताल, त्रिवेणी अस्पताल - सेक्टर 2 एवं गंगा अस्पताल- सेक्टर 4 भी बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक अस्पताल में 6 स्वास्थ्य विशेषज्ञ,12 मेडिकल ऑफिसर तथा एंबुलेंस हेतु डॉक्टर्स चैबीसों घंटे रहेंगे। कोविड-19 संक्रमितों की पहचान हेतु 100 विशेष डोर टू डोर टीमों का गठन हो चुका है जो संस्थाओं में जाकर सर्वे कर रही हैं तथा वहां रहने वाले कोविड-19 लक्षण युक्त व्यक्तियों की जानकारी निरंतर ले रही हैं। मेले में प्रवास के दौरान सभी कल्पवासियों का तीन बार एंटीजन टेस्ट कराया जाएगा तथा उन्हें आईवरमेक्टिन का डोज दिया जाएगा। हर कल्पवासी से संबंधित जानकारी उन्हें जारी किए गए विशेष कोविड केयर कार्ड में दर्ज की जाएगी जिसकी विशेष निगरानी सर्विलेंस टीम करेगी। मेले में पाए जाने वाले कोविड-19 संक्रमितओं के इलाज हेतु भी समुचित व्यवस्था की गई है। हर सेक्टर में नियुक्त रैपिड रिस्पांस टीम अलक्षणिय मरीज को एल 1 कोविड-19 सेंटर, कालिंदीपुरम व लक्षणयुक्त मरीज को बेलीध्एस० आर० एन ० तक ले जाएगी। हर सेक्टर में एक आरआरटी टीम नियुक्त की गई है जिसमें एक डाक्टर व एक पारा मेडिकल कर्मचारी हैं। संक्रमितों का मेले में प्रवेश प्रतिबंधित करने हेतु मेले के 16 प्रवेश मार्गो में थर्मल स्कैनिंग की व्यवस्था कर दी गई है।

स्वास्थ्य शिविर में पांच सौ लोगों का स्वास्थ्य जांच कर वितरण की दवा

स्वास्थ्य शिविर में जांच के बाद दवा लेते चिकित्सक

घूरपुर। श्रद्धा पुष्प डायग्नोस्टिक एंड पालिक्लिनिक सेंटर ने श्रीमती डी. सिंह इंटर कालेज दूरवाणी नगर एडीए नैनी के परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया तो आसपास के लोग भारी संख्या में स्वास्थ्य जांच व इलाज कराने पहुंचे। डॉ एसपी पटेल, डॉ अरविंद कुमार सिंह, डॉ जे के यादव के नेतृत्व में चिकित्सको की टीम ने पांच सौ लोगो का स्वास्थ्य जांच कर मुफ्त में दवा वितरण कर आवश्यक सलाह दिया। शिविर में सर्दी ,खांसी, दमा, बुखार, चर्म रोग के अधिक संख्या में रोगी पाए गए। चिकित्सको ने रोगों से बचाव और खानपीन, स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दिया। बदलते मौसम में सर्दी बुखार से बचने के लिए सतर्कता बरतने की आवश्यक सलाह दिए। कोरोना वायरस से बचाव सम्बंधित विस्तृत जानकारी भी दी गई।

पुराने विवाद में युवक को मारपीट कर किया घायल

नैनी। नैनी कोतवाली के मोहब्बत गंज मोहल्ले में कुछ लोगों ने बीते 18 दिसम्बर को एक युवक की पिटाई कर दी। घायल युवक के परिजनों ने मंगलवार को थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बात दे कि उक्त गांव निवासी सुजीत निषाद पुत्र जीत लाल निषाद का गांव के ही सूरज निषाद, नरेंद्र निषाद, चिंटू उर्फ रवि ओर सनोज से किसी बात को लेकर पुराना विवाद है। बीती 18 तारीख को वह शाम को रेलवे लाइन के किनारे शौच के लिए गया हुआ था। वहां से वह लौट रहा था तभी इन लोगों ने इसे घेर लिए ओर विवाद करने लगे, विरोध करने में सभी ने मिलकर इसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। मंगलवार को परिजन मामले को लेकर नैनी कोतवाली पहुँचे ओर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर मामला दर्ज कराया है।

अवैध खनन पर पुलिस का छापा, कई वाहन सीज

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के डीपीएस स्कूल व श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर के मध्य में बीते तीन दिनों से चोरी छुपे अवैध खनन किया जा रहा था। बीती रात पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई करते हुए अवैध खनन को बंद करा दिया और मौके से ही दो जेसीबी व पांच डंपर को जप्त करते हुए नैनी कोतवाली उठा लाए। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए एमबी एक्ट व खनन एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के डीपीएस स्कूल श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर के मध्य में बीते तीन दिनों से अवैध खनन कारोबारियों ने जेसीबी लगाकर अवैध मिट्टी खनन करा रहे थे और खनन की मिट्टी नैनी समेत कई स्थानों पर रात्रि प्रहर में धड़ल्ले से सप्लाई की जा रही थी। सोमवार रात आला अधिकारियों के निर्देश पर नैनी इंस्पेक्टर जीतेन्द्र सिंह ने दल बल के साथ उक्त स्थान पर पहुंचे तो अवैध खनन कारोबारियों में भारी हड़कंप मच गया और घेराबंदी करते हुए पुलिस ने मौके से ही दो जेसीबी और पांच डंपर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिए। सूत्रों पर यदि यकीन करें तो अवैध खनन कारोबारियों और इलाकाई पुलिस की मिलीभगत खनन का महाखेल चल रहा था। पुलिस सूत्रों की मानें तो जल्द कार्रवाई भी हो सकता है।

रोटरी क्लब की ओर से संगीत संध्या आयोजित

संगीत संध्या कार्यक्रम में उपस्थित लोग

प्रयागराज। मंगलवार को नव वर्ष के अवसर पर रोटरी इलाहाबाद इलीट द्वारा संगीत संध्या का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्ष रोटेरियन संजय तलवार को कॉलर पहनाया गया उसके बाद रोटरी परम्परा के अनुसार राष्ट्रगान हुआ ततपश्चात अध्यक्ष ने संगीत संध्या का शुभारंभ किया और मुख्यातिथि रोटेरियन डॉक्टर स्वतंत्रता शर्मा का स्वागत अभिनन्दन किया और उनका परिचय दिया। डॉक्टर शर्मा ने अपने मधुर संगीत से कार्यक्रम का श्रीगणेश किया और क्रमशः डॉक्टर नम्रता देब, श्री रत्नेश दुबे, डॉक्टर अंकिता चतुर्वेदी एवं हरीराम द्विवेदी ने संगीतमयी प्रस्तुति की। इसी श्रृंखला में क्लब अध्यक्ष के सुपुत्र यश तलवार और क्लब के सदस्य और कार्यक्रम संचालक रोटेरियन डॉक्टर प्रतीक पांडेय ने अपने संगीत प्रतिभा से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सचिव नितिन चोपड़ा ने आगामी बैठक व अन्य उपयोगी घोषणा की, रोटेरियन आकांक्षा चोपड़ा ने अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कोविड 19 को ध्यान में रखते हुए सदस्यों की संख्या सीमित रखी गयी, संगीत संध्या का आयोजन नवीन कॉन्टिनेंटल में की गई, जूम द्वारा भी इस संगीत संध्या का प्रसारण भी किया गया।

दिव्यांगजन सशक्तीरण विभाग द्वारा कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रयागराज। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी नन्द किशोर याज्ञिक ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तीरण विभाग उत्तर प्रदेश के द्वारा संचालित कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण योजना अन्तर्गत विकास खण्ड परिसर कोरांव में कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मा0 विधायक कोरांव राजमणि कोल के द्वारा दिव्यागंजनों को 90 ट्राईसाइकिल, 05 जोड़ी बैसाखी, 07 कान की मशीन, 08 व्हील चेयर एवं 03 ब्लाइंड स्टीक तथा 03 वाकिंग स्टीक का वितरण किया गया।

जिलाधिकारी ने माघ मेला की तैयारियों की समीक्षा की, दिये निर्देश

माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। माघ मेला 2021 में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु सभी संस्थाओं से उनके यहां आने वाले कल्पवासियों का डाटा लेकर उसे पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया तेज हुई। कल्पवासियों का डाटा पोर्टल पर अपलोड कर उसे प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आरटी पीसीआर टेस्ट कराने हेतु उपलब्ध कराया जाएगा। माघ मेला 2021 में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु प्रशासन द्वारा सभी संस्थाओं से उनके यहां आने वाले कल्पवासियों की सूची लेकर उसे पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इस संबंध में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को उनके सेक्टर में बसने वाली संस्थाओं से उनके यहां आने वाले सभी कल्पवासियों का डाटा इकट्ठा करने के कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

माघ मेला की तैयारियों की प्रगति समीक्षा हेतु आईसीसीसी सभागार में हुई बैठक में जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी ने डाटा इकट्ठा करने के कार्य की गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को सभी कल्पवासियों की जानकारी अति शीघ्र मुहैया कराकर पोर्टल में अपलोड करवाने के निर्देश दिए। संस्थाओं से ली गई जानकारी पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वहां से आने वाले श्रद्धालुओं को उनके जनपदों की लोकल स्वास्थ्य टीम आरटी पीसीआर टेस्ट कराने तथा रिपोर्ट उपलब्ध कराने में सहायता कर सके। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को हर संस्था में अनिवार्य रूप से कोविड-19 हेल्प डेस्क, थर्मल स्कैनर तथा वहां आने-जाने वाले लोगों की जानकारी एक रजिस्टर में निरंतर दर्ज होती रहे इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा।

मेले में संक्रमितों की पहचान हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। 100 डोर टू डोर टीमों का गठन किया गया है जो संस्थाओं में जाकर सर्वे कर रही हैं तथा वहां रहने वाले कोविड-19 लक्षण युक्त व्यक्तियों की जानकारी निरंतर ले रही हैं। यदि कहीं कोई संक्रमित व्यक्ति पाया जाता है तो वहां के कैंपों को हटा दिया जाएगा तथा वहां रहने वाले अन्य लोगों को शहर में बने क्वॉरेंटाइन सेंटर में लाकर क्वॉरेंटाइन कर दिया जाएगा। कल्पवास अवधि में प्रशासन द्वारा सभी कल्प वासियों का तीन बार एंटीजन टेस्ट कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने अन्य कार्यो की समीक्षा करते हुए स्नान घाटों पर पर्याप्त मात्रा में सकुर्लेटिंग एरिया बनाए रखने एवं अनावश्यक रूप से वहां सामान विक्रेताओं की भीड़ न लगने देने पर भी जोर दिया। साथ ही पीडब्ल्यूडी को हर सेक्टर में अपशिष्ट ट्रांसपोर्ट स्टेशन तक सड़क बनाने, बिजली विभाग को सभी सेक्टरों में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने तथा संस्थाओं एवं मार्गों में शौचालयों की समुचित व्यवस्था समय से कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में एडीएम सिटी, अशोक कनौजिया, सिटी मजिस्ट्रेट रजनीश मिश्रा, प्रभारी अधिकारी, माघ मेला, विवेक चतुर्वेदी, सीएमओ, प्रभाकर राय, कोविड-19 नोडल अधिकारी, ऋषि सहाय एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज बुधवार, 6 जनवरी, 2021

क्रियायोग सन्देश

क्रियायोग अध्यात्म मंडल में मनाया गया परमहंस योगानंद जी का जन्मदिन

परमहंस योगानंद जी के जन्मदिन पर साधकों के साथ क्रियायोग गुरू स्वामी श्री योगी सत्यम्

झूंसी प्रयागराज। क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में परमहंस योगानन्द जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी को एकसूत्र में बांधने और सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। विश्व विख्यात आधुनिक युग के सर्वक्षेष्ठ योगी परमहंस योगानन्द जी के जन्मदिवस के अवसर पर क्रियायोग आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी श्री योगी सत्यम ने दीप जलाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वामी जी ने बताया कि परमब्रहम द्वारा रचित ब्रहाण्ड की विविध क्रियाप्राणाली के संचालन की सुव्यवस्था की गयी है। मनुष्य चेतना के विकास के अनुरूप जीवन जीने के उचित नियमों का मानव के साथ अवतरण होता है, जैसे जैसे मानव विकसित होता है, वैसे वैसे उपयुक्त व नयी शिक्षा प्रणाली का अभ्युदय होता है। स्वामी जी ने आगे कहा कि वर्तमान समय द्वापर युग होने के कारण, मानव की जीवनशैली को विकासोन्मुख रूपान्तरित करने के लिये योगावतार लाहिड़ी महाशय, ज्ञानावतार युक्तेश्वर गिरि एवं परमहंस योगानन्द का अवतरण हुआ। इनके द्वारा युगानुकूल जीवनजीने की शैली को व्यवस्थित करने के लिये क्रियायोग विज्ञान का प्रचार-प्रसार दिया गया।

सन् 1920 में बोस्टन के प्राचीन एवं प्रचलित शहर के यूनिटैरियन चर्च के द्वारा द्वितीय धर्म संसद का आयोजन हुआ था, जिसमें योगानन्द जी को धर्म, आध्यात्म एवं विज्ञान के ऊपर अपने विचार को व्यक्त करने के लिये आमंत्रित किया गया। सन् 1920 से 1952 तक परमहंस योगानन्द ने अमेरिका के साथ-साथ अन्य पश्चिमी राष्ट्रों में क्रियायोग का प्रचार-प्रसार किया। योगानन्द जी, जीवन में ही नहीं बल्कि मृत्यु में भी क्रियायोग के अद्भूत प्रभाव को दिखा कर भारतीय संस्कृति को मानव सभ्यता में उच्चतम स्थान पर स्थापित किया।

परमहंस योगानन्द जी ने लॉस ऐंजेलिस, कॅलिफोर्निया (अमेरिका) में 7 मार्च, 1952 को भारतीय राजदूत श्री विनय रंजन सेन के सम्मान के निमित्त आयोजित भोज के अवसर पर अपना भाषण समाप्त करने के उपरान्त ह्यमहासमाधिह्य में प्रवेश किया। महासमाधि के 20 दिन के पश्चात परमहंस योगानन्द के पार्थिव शरीर में किसी भी प्रकार की विक्रिया नहीं दिखाई पड़ी। 27 मार्च को उनका शरीरिक रूप वैसे ही था, जैसे 7 मार्च को था। इससे यह सिद्ध होता है कि क्रियायोग के प्रभाव से पूरी शरीर निर्विकार हो जाती है। महासमाधि के पूर्व व्यक्त किये गये अपने सन्देश में योगानन्द जी ने क्रियायोग को भारत में व्यापक विस्तार के लिये वचन दिया। यही कारण है क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा क्रियायोग कार्यक्रम पूरी सफलता के साथ भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में फैलाने का काम किया जा रहा है।

परमहंस योगानंद के जन्मदिवस पर, क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम् के द्वारा तीन क्रियायोग साधकों को स्वामी पद पर विभूषित किये गये

ON THE OCCASION OF BIRTH ANNIVERSARY OF PARAMAHANSA YOGANANDA...

परमहंस योगानंद जी के बारे में बताते क्रियायोग गुरू स्वामी श्री योगी सत्यम् व उपस्थित साधकगण

Guruji Swami Shree Yogi Satyam and the Kriyayoga practitioners welcomed new members to the Kriyayoga worldwide family at Kriyayoga Ashram and Research Institute, Jhunsi, Prayagraj.

Guruji Swami Shree Yogi Satyam elaborated that the birth of the great Master should be celebrated in a different manner today as the present time is different.

Today, the birthday is to be celebrated by being one with the practice of Kriyayoga each moment of the day. Our devoted regular practice of Kriyayoga Meditation each moment represents the highest way of celebration of the birth of Sri Paramahansa Yogananda ji, whose life and every breath was dedicated to the spread of the teachings of Kriyayoga for the upliftment of humanity.

Guruji explained briefly that Kriyayoga is the concentration on the multitude of changes within oneself (head to toes) and the acceptance of all perceptions as presence of power, knowledge and peace. All changes are the presence of power and knowledge of Brahma, Vishnu and Shiva within, which are in fact the presence of Vedas (knowledge of past, present and future) within. Guruji emphasized that Kriyayoga should be practised each moment, in honour of the birth anniversary of Paramahanasa Yogananda. Guruji then led all in a short session of Kriyayoga practice.

After the morning session, Guruji initiated three devotees into the monastic order in a special ceremony under the Mahavatar Babaji Banyan Tree on the premises of Kriyayoga Ashram : Malini from Canada as Swami Adyamata Satyam, Abhay and Prachi from Mahoba, India as Swami Prakashananda Satyam and Swami Durgamata Satyam respectively.

The new monks have devoted their lives towards the learning and practice of KRIYAYOGA and the great mission of "Developing the Nation through Kriyayoga Meditation."